छतरपुर 351 साल पुराने मंदिर से निकलेगी जगन्नाथ रथयात्रा, जानें रूट!

विषय सूची (Table of Contents):

>> छतरपुर में 351 साल पुराने मंदिर से शुरू हुआ नौ दिवसीय जगन्नाथ महोत्सव...
>> तमराही मोहल्ला के प्राचीन मंदिर की महिमा...
>> धार्मिक महोत्सव का भव्य शुभारंभ...
>> 16 जुलाई को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ निकलेगी भव्य रथयात्रा...
>> शाम 5 बजे रवाना होगा भगवान का रथ...
>> धार्मिक अनुष्ठानों की विस्तृत सूची (List)...
>> शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुरानी तहसील पहुंचेगा भगवान का रथ...
>> श्रद्धालुओं के लिए रूट मैप और लाइव Status...
>> सुरक्षा और मौसमी बदलावों के विशेष इंतजाम...
>> 17 से 19 जुलाई तक पुरानी तहसील में होंगे विविध धार्मिक आयोजन...
>> तीन दिवसीय विश्राम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां...
>> सुंदरकांड पाठ और खाटूश्याम भजन संध्या...
>> 20 जुलाई को निकलेगी जानकी जी की पालकी, केंड्या जी मंदिर में होगा विश्राम...
>> पालकी यात्रा का विशेष आकर्षण...
>> गोवर्धन टाकीज स्थित केंड्या जी मंदिर में प्रवास...
>> 22 जुलाई को मुख्य मंदिर की ओर वापसी करेंगे भगवान जगन्नाथ...
>> वापसी रथयात्रा का रूट और उल्लास...
>> 23 और 24 जुलाई को रामायण पाठ, हवन और भंडारे के साथ महोत्सव का समापन...
>> अखंड रामचरितमानस पाठ और महाहवन...
>> भव्य भंडारा और महाप्रसाद वितरण...
>> छतरपुर रथयात्रा का ऐतिहासिक महत्व और श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं...
>> डिजिटल सुविधाएं और स्वयंसेवक पंजीकरण...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ स्वामी की ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। वर्ष2026का यह पावन महोत्सव शहर की प्राचीन धार्मिक परंपराओं को जीवंत करने का एक अद्भुत माध्यम बन चुका है। भारत की पावन भूमि पर सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्था का संगम हमेशा से अटूट रहा है, जैसे हमभगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि: अदम्य साहस और शौर्य की अमर गाथा!में उनके महान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक योगदान को याद करते हैं, ठीक वैसे ही छतरपुर का यह उत्सव भी पूरे बुंदेलखंड को भक्तिमय कर रहा है।

छतरपुर में 351 साल पुराने मंदिर से शुरू हुआ नौ दिवसीय जगन्ना

छतरपुर के तमराही मोहल्ला स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर का इतिहास अत्यंत गौरवशाली और प्राचीन है। यह मंदिर लगभग 351 वर्ष पुराना है, जो बुंदेलखंड की ऐतिहासिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा है। सोमवार शाम को आयोजित एक विशेष पत्रकार वार्ता में मंदिर समिति द्वारा इस नौ दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का आधिकारिक ऐलान किया गया।

तमराही मोहल्ला के प्राचीन मंदिर की महिमा

इस ऐतिहासिक मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। 351 वर्षों से लगातार चली आ रही परंपरा के अनुसार हर साल आषाढ़ मास में यहाँ भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाता है, जो पूरी के जगन्नाथ मंदिर की परंपराओं से प्रेरित है।

धार्मिक महोत्सव का भव्य शुभारंभ

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव के दौरान संपूर्ण क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहेगा। भक्तों के लिए मंदिर परिसर में विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है, जहाँ वे दैनिक आरती और महाप्रसाद का लाभ उठा सकते हैं।

16 जुलाई को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ निकलेगी भव्य रथयात्रा

महोत्सव का सबसे मुख्य आकर्षण 16 जुलाई को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा होगी। रथयात्रा के दिन दोपहर से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगना शुरू हो जाएगा और पूरा परिसर जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठेगा।

शाम 5 बजे रवाना होगा भगवान का रथ

समिति के सचिव संतोष ताम्रकार ने बताया कि 16 जुलाई को शाम ठीक 5 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्ण विधि-विधान से महापूजा-अर्चना की जाएगी। इसके तुरंत बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को मुख्य मंदिर से नगर भ्रमण के लिए रवाना किया जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठानों की विस्तृत सूची (List)

>> दोपहर 2:00 बजे:भगवान का विशेष महाअभिषेक एवं शृंगार आरती।

>> शाम 4:30 बजे:छर्रा पहनरा (रथ की सोने की झाड़ू से सफाई) की रस्म।

>> शाम 5:00 बजे:वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रथयात्रा का भव्य प्रस्थान।

शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुरानी तहसील पहुंचेगा भगवान का

भगवान जगन्नाथ स्वामी की यह रथयात्रा पारंपरिक रूप से तय किए गए नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों से होकर गुजरेगी। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की आरती उतारी जाएगी और ठंडे पानी व प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी।

श्रद्धालुओं के लिए रूट मैप और लाइव Status

रथयात्रा तमराही मोहल्ला से शुरू होकर चौक बाजार, हटवारा, और कटरा बाजार जैसे शहर के प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों से गुजरेगी। समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रूट चार्ट काPDFऑनलाइन चेक करने की सुविधा भी दी है, जिससे लोग रथयात्रा का लाइवstatusआसानी से जान सकें।

सुरक्षा और मौसमी बदलावों के विशेष इंतजाम

रथयात्रा के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ और मौसमी बदलावों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। श्रद्धालु अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिएकल का मौसम 29 जून: भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, रहें सावधान!जैसी मौसम चेतावनियों और तात्कालिक अपडेट्स को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं।

17 से 19 जुलाई तक पुरानी तहसील में होंगे विविधि धार्मिक आयोजन

नगर भ्रमण करते हुए भगवान जगन्नाथ स्वामी का रथ 16 जुलाई की देर रात तक पुरानी तहसील परिसर पहुंचेगा। पुरानी तहसील को भगवान के अस्थायी विश्राम स्थल (गुंडिचा मंदिर स्वरूप) के रूप में बेहद खूबसूरती से सजाया गया है।

तीन दिवसीय विश्राम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

भगवान जगन्नाथ 17 जुलाई से 19 जुलाई तक पुरानी तहसील में ही विश्राम करेंगे। इन तीन दिनों के दौरान यहाँ प्रतिदिन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी, जिसमें स्थानीय और बाहरी कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

सुंदरकांड पाठ और खाटूश्याम भजन संध्या

इस विश्राम अवधि के दौरान परिसर में अखंड सुंदरकांड पाठ, भव्य धार्मिक नृत्य प्रस्तुतियां और एक विशाल खाटूश्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भक्तों के लिए इन तीनों दिन महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था रहेगी।

20 जुलाई को निकलेगी जानकी जी की पालकी, केंड्या जी मंदिर में

इस नौ दिवसीय महोत्सव में 20 जुलाई का दिन एक बेहद भावुक और पारंपरिक रस्म का गवाह बनेगा। इस दिन माता जानकी (लक्ष्मी जी) भगवान जगन्नाथ को वापस लिवाने के लिए अपनी पालकी में सवार होकर निकलेंगी।

पालकी यात्रा का विशेष आकर्षण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान के मंदिर से चले जाने के बाद माता जानकी उन्हें मनाने के लिए निकलती हैं। 20 जुलाई को निकलने वाली यह जानकी जी की पालकी यात्रा भक्तों के लिए अत्यंत दर्शनीय और श्रद्धा से भरपूर होती है।

गोवर्धन टाकीज स्थित केंड्या जी मंदिर में प्रवास

पुरानी तहसील से प्रस्थान करने के बाद भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा गोवर्धन टाकीज के पास स्थित प्रसिद्ध केंड्या जी मंदिर पहुंचेगी। केंड्या जी मंदिर में भगवान अगले दो दिनों (20 और 21 जुलाई) के लिए विश्राम करेंगे, जहाँ स्थानीय भक्तों द्वारा उनकी विशेष सेवा-पूजा की जाएगी।

22 जुलाई को मुख्य मंदिर की ओर वापसी करेंगे भगवान जगन्नाथ

केंड्या जी मंदिर में दो दिनों के सुखद प्रवास और विश्राम के बाद, 22 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा (वापसी यात्रा) का शुभारंभ होगा। भगवान एक बार फिर अपने भव्य रथ पर सवार होकर नगरवासियों को दर्शन देते हुए मुख्य मंदिर की ओर बढ़ेंगे।

वापसी रथयात्रा का रूट और उल्लास

22 जुलाई की सुबह से ही केंड्या जी मंदिर में विदाई की रस्में शुरू हो जाएंगी। इसके बाद दोपहर बाद रथयात्रा पुनः मुख्य मार्गों से होती हुई तमराही मोहल्ला स्थित मुख्य श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर के लिए रवाना होगी, जहाँ देर रात भगवान गर्भगृह में पुनः प्रतिष्ठित होंगे।

23 और 24 जुलाई को रामायण पाठ, हवन और भंडारे के साथ महोत्सव क

भगवान की मुख्य मंदिर में वापसी के बाद भी उत्सव का समापन तुरंत नहीं होता। समिति के अनुसार, 23 और 24 जुलाई को मंदिर परिसर में विशाल पूर्णाहुति और आध्यात्मिक शांति के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

अखंड रामचरितमानस पाठ और महाहवन

23 जुलाई से मंदिर में अखंड रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ होगा। इसके अगले दिन यानी 24 जुलाई को वैदिक ऋचाओं के साथ भव्य हवन-पूजन और विश्व शांति पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान की भव्यता बिल्कुल वैसी ही होगी जैसे हाल ही मेंसर्व समाज उत्थान एवं विकास समिति का हवन संपन्न, 11के अवसर पर लोक कल्याण के लिए आहुतियाँ दी गई थीं।

भव्य भंडारा और महाप्रसाद वितरण

24 जुलाई को हवन की पूर्णाहुति के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें छतरपुर शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा, जिसके साथ ही इस नौ दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का विधिवत समापन होगा।

छतरपुर रथयात्रा का ऐतिहासिक महत्व और श्रद्धालुओं के लिए व्यव

छतरपुर की यह रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह बुंदेलखंड की गंगा-जमुनी तहजीब और सामूहिक समरसता

का प्रतीक है। 351 सालों से बिना रुके इस परंपरा का निर्वहन करना यहाँ के नागरिकों की अटूट आस्था को दर्शाता है।

डिजिटल सुविधाएं और स्वयंसेवक पंजीकरण

समिति द्वारा इस वर्ष वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष दर्शन पास की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, उत्सव में सेवा देने के इच्छुक युवा आधिकारिक वेबसाइट पर जाकरapply onlineबटन के माध्यम से स्वयंसेवक के रूप में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं, ताकि वे व्यवस्थाओं को सुचारू बना सकें।

निष्कर्ष

छतरपुर का 351 वर्ष प्राचीन श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई 2026 तक चलने वाला यह नौ दिवसीय महोत्सव न केवल छतरपुर बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में सराबोर करेगा। मंदिर समिति के सचिव संतोष ताम्रकार और सभी सदस्यों ने आम जनता से अपील की है कि वे इस भव्य आयोजन में सपरिवार पधारकर भगवान जगन्नाथ स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त करें और पुण्य के भागीदार बनें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

छतरपुर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा 16 जुलाई 2026 को शाम 5:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजा के बाद निकाली जाएगी।

यह ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर लगभग 351 वर्ष प्राचीन है। यह छतरपुर शहर के तमराही मोहल्ला क्षेत्र में स्थित है।

16 जुलाई को रवाना होकर रथयात्रा पुरानी तहसील पहुंचेगी। यहाँ भगवान जगन्नाथ 17 जुलाई से 19 जुलाई तक तीन दिनों के लिए विश्राम करेंगे।

पुरानी तहसील में प्रवास के दौरान सुंदरकांड पाठ, भव्य धार्मिक नृत्य प्रस्तुतियां और प्रसिद्ध खाटूश्याम भजन संध्या का विशेष आयोजन किया जाएगा।

जानकी जी की पालकी 20 जुलाई को भगवान को लिवाने (मनाने) के लिए निकलेगी। यह एक पारंपरिक और अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म है जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र होती है।

20 जुलाई को पुरानी तहसील से प्रस्थान करने के बाद रथयात्रा गोवर्धन टाकीज स्थित केंड्या जी मंदिर पहुंचेगी, जहाँ भगवान दो दिन (20 और 21 जुलाई) विश्राम करेंगे।

केंड्या जी मंदिर से विश्राम पूर्ण कर भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा 22 जुलाई को पुनः मुख्य मंदिर (तमराही मोहल्ला) के लिए रवाना होगी।

महोत्सव का समापन 23 और 24 जुलाई को होगा। इस दौरान अखंड रामचरितमानस पाठ, भव्य हवन-पूजन, शांति पाठ, महाप्रसाद वितरण और एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।